

Quran

Arabic - Macedonian Parallel Text

Translated By Ivan Kushnir

Quran: Arabic - Macedonian Parallel Text. Translated By Ivan Kushnir. 2023.

This invaluable resource presents the Holy Quran in both Arabic and Macedonian, side-by-side. It offers a unique opportunity for readers to delve into the original text while benefiting from a clear and accurate translation. Whether you are a devout Muslim seeking a deeper understanding of the Quran, a scholar of Islamic studies, or someone interested in learning Arabic, this book is a must-have.

Enhanced understanding: The parallel text format allows for a direct comparison between the original Arabic and the Macedonian translation, aiding in a more nuanced comprehension of the Quran's meaning.

Language learning: For those studying Arabic, this book serves as an excellent tool for improving reading comprehension and vocabulary. The Quran's rich and complex language offers numerous opportunities for language learners to expand their knowledge.

Cultural insights: By engaging with the Quran's text, readers can gain valuable insights into Islamic culture, history, and theology.

Reference work: The book can serve as a valuable reference for scholars, researchers, and students of Islamic studies.

website: quran-online-24.com



Copyright © 2023 Ivan Kushnir
License Creative Commons (CC BY-NC)
ISBN: 978-1-326-95597-7
Imprint: Lulu.com

| | | | |
|----------|----|-----|---------------------------|
| الفاتحة | 1 | 6 | Отворање |
| البقرة | 2 | 7 | Кравата |
| آل عمران | 3 | 31 | Семејството на Имран |
| النساء | 4 | 46 | Жените |
| المائدة | 5 | 61 | Трpezата |
| الأنعام | 6 | 72 | Добитокот |
| الأعراف | 7 | 85 | Висините |
| الأنفال | 8 | 99 | Пленот |
| التوبة | 9 | 105 | Покајанието |
| يونس | 10 | 115 | Јунус (Јона) |
| هود | 11 | 123 | Худ |
| يوسف | 12 | 131 | Јусуф |
| الرعد | 13 | 138 | Громот |
| إبراهيم | 14 | 142 | Авраам |
| الحجر | 15 | 146 | Карпата |
| النحل | 16 | 150 | Пчелата |
| الإسراء | 17 | 158 | Ноќното патување |
| الكهف | 18 | 165 | Пештерата |
| مريم | 19 | 172 | Марија |
| طه | 20 | 177 | Та-Ха |
| الأنبياء | 21 | 184 | Пророците |
| الحج | 22 | 190 | Аџилакот |
| المؤمنون | 23 | 196 | Верниците |
| النور | 24 | 201 | Светлината |
| الفرقان | 25 | 207 | Разликувањето |
| الشعراء | 26 | 211 | Поетите |
| النمل | 27 | 219 | Мравките |
| القصص | 28 | 225 | Приказните |
| العنكبوت | 29 | 231 | Пајакот |
| الروم | 30 | 236 | Римјаните |
| لقمان | 31 | 240 | Лукман |
| السجدة | 32 | 243 | Поклонението |
| الأحزاب | 33 | 245 | Сојузниците |
| سبأ | 34 | 251 | Сава |
| فاطر | 35 | 255 | Творецот |
| يس | 36 | 259 | Ја-Син |
| الصفات | 37 | 263 | Оние што стојат во редови |
| ص | 38 | 269 | Сад |
| الزمر | 39 | 273 | Зборовите |

| | | | |
|-----------|----|-----|-----------------------------|
| غافر | 40 | 278 | Оној што простува |
| فصلت | 41 | 284 | Разјаснето |
| الشورى | 42 | 288 | Советување |
| الزخرف | 43 | 292 | Украси |
| الدخان | 44 | 296 | Димот |
| الجاثية | 45 | 298 | Тие што клечат |
| الأحقاف | 46 | 301 | Песочните Дини |
| محمد | 47 | 304 | Мухамед |
| الفتح | 48 | 307 | Победата |
| الحجرات | 49 | 310 | Одаите |
| ق | 50 | 312 | Каф |
| الذاريات | 51 | 314 | Ветровите што расејуваат |
| الطور | 52 | 316 | Планината |
| النجم | 53 | 318 | Свездата |
| القمر | 54 | 320 | Месечината |
| الرحمن | 55 | 322 | Милостивиот |
| الواقعة | 56 | 325 | Неизбежното |
| الحديد | 57 | 328 | Железото |
| المجادلة | 58 | 331 | Жената што расправа |
| الحشر | 59 | 333 | Собирањето |
| الممتحنة | 60 | 335 | Онаа што треба да се испита |
| الصف | 61 | 337 | Редовите |
| الجمعة | 62 | 338 | Петок |
| المنافقون | 63 | 339 | Лицемерите |
| التغابن | 64 | 340 | Меѓусебната измама |
| الطلاق | 65 | 342 | Разводот |
| التحريم | 66 | 344 | Забраната |
| الملك | 67 | 346 | Власта |
| القلم | 68 | 348 | Перото |
| الحاقة | 69 | 350 | Вистината |
| المعارج | 70 | 352 | Скалилата |
| نوح | 71 | 354 | Нух (Ное) |
| الجن | 72 | 356 | Џиновите |
| المزمل | 73 | 358 | Завитканиот |
| المدثر | 74 | 359 | Затскриениот |
| القيامة | 75 | 361 | Воскресението |
| الإنسان | 76 | 363 | Човекот |
| المرسلات | 77 | 365 | Испратените |
| النبا | 78 | 367 | Веста |

| | | | |
|----------|-----|-----|-------------------------|
| النارعات | 79 | 369 | Оние што влечат |
| عبس | 80 | 371 | Се намрштил |
| التكوير | 81 | 373 | Свиткување |
| الانفطار | 82 | 374 | Расцепување |
| المطففون | 83 | 375 | Мамачи |
| الانشقاق | 84 | 377 | Расцепување |
| البروج | 85 | 378 | Созвездијата |
| الطارق | 86 | 379 | Ноќниот посетител |
| الأعلى | 87 | 380 | Највозвишениот |
| الغاشية | 88 | 381 | Покривачот |
| الفجر | 89 | 382 | Зората |
| البلد | 90 | 383 | Градот |
| الشمس | 91 | 384 | Сонцето |
| الليل | 92 | 385 | Ноќта |
| الضحى | 93 | 386 | Утрото |
| الشرح | 94 | 387 | Олеснувањето |
| التين | 95 | 388 | Смоквата |
| العلق | 96 | 389 | Зругчувањето |
| القدر | 97 | 390 | Одредбата |
| البينة | 98 | 391 | Јасниот доказ |
| الزلزلة | 99 | 392 | Земјотресот |
| العاديات | 100 | 393 | Тркачите |
| القارعة | 101 | 394 | Катастрофата |
| التكاثر | 102 | 395 | Натпревар во стекнување |
| العصر | 103 | 396 | Времето |
| الهمزة | 104 | 397 | Клеветникот |
| الفيل | 105 | 398 | Слоновите |
| قريش | 106 | 399 | Курејш |
| الماعون | 107 | 400 | Малите добрини |
| الكوثر | 108 | 401 | Изобилството |
| الكافرون | 109 | 402 | Неверниците |
| النصر | 110 | 403 | Божјата помош |
| المسد | 111 | 404 | Влакното од палма |
| الإخلاص | 112 | 405 | Чистотата |
| الفلق | 113 | 406 | Зората |
| الناس | 114 | 407 | Луѓето |

1 الفاتحة **Отворање**

- بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ 1 Во името на Аллах, Милостивиот,
Сомилосниот.
- الْحَمْدُ لِلَّهِ رَبِّ الْعَالَمِينَ 2 Сите фалби му припаѓаат на Аллах,
Господарот на световите.
- الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ 3 Милостивиот, Сомилосниот.
- مَلِكِ يَوْمِ الدِّينِ 4 Владетелот на Судниот ден.
- إِيَّاكَ نَعْبُدُ وَإِيَّاكَ نَسْتَعِينُ 5 Само Тебе Те обожаваме и само од Тебе
помош бараме.
- أَهْدِنَا الصِّرَاطَ الْمُسْتَقِيمَ 6 Води не по правиот пат.
- صِرَاطَ الَّذِينَ أَنْعَمْتَ عَلَيْهِمْ غَيْرِ الْمَغْضُوبِ عَلَيْهِمْ وَلَا
الضَّالِّينَ 7 Патот на оние на кои им даруваше
благодат, не на оние на кои им се
налути, и не на оние кои залутаа.

2 البقرة Кравата

- 1 А. Л. М.
- 2 Тоа е Книгата, во која нема сомнеж, упатство за богобојазливите.
- 3 Оние кои веруваат во невидливото, ги извршуваат молитвите и од она што им го дадовме трошат.
- 4 И оние кои веруваат во она што ти е објавено тебе и во она што беше објавено пред тебе, и во задгробниот живот се уверени.
- 5 Тие се на упатство од нивниот Господар, и тие се успешни.
- 6 Навистина, оние кои не веруваат, им е сеедно дали ќе ги предупредиш или не, тие нема да веруваат.
- 7 Аллах ги запечати нивните срца и нивниот слух, а на нивните очи има превез; за нив има голема казна.
- 8 Има луѓе кои велат: „Веруваме во Аллах и во Судниот ден“, но тие не се верници.
- 9 Тие се обидуваат да го измамаат Аллах и оние кои веруваат, но тие само себе си се мамат, а не го сфаќаат тоа.
- 10 Во нивните срца има болест, па Аллах им ја зголеми болеста; за нив има болна казна поради тоа што лажат.
- 11 Кога им се вели: „Не правете неред на земјата“, тие велат: „Ние само правиме добро“.
- 12 Навистина, тие се оние кои прават неред, но не го сфаќаат тоа.
- 13 Кога им се вели: „Верувајте како што веруваат луѓето“, тие велат: „Дали да веруваме како што веруваат глупавите?“ Навистина, тие се глупавите, но не го знаат тоа.
- 14 Кога ќе се сретнат со оние кои веруваат, велат: „Веруваме“, но кога ќе останат сами со своите гаволи, велат: „Ние сме со вас, само се потсмевавме“.
- 15 Аллах им се потсмева и ги продолжува во нивната заблуда, во која талкаат.
- 16 Тие се оние кои ја купија заблудата за упатството, па нивната трговија не им донесе добивка и не беа упатени.
- 17 Нивниот пример е како примерот на оној кој запали оган, па кога осветли околу него, Аллах им ја одзеде светлината и ги остави во темнина, не гледаат.
- 18 Глуви, неми, слепи, тие не се враќаат.
- 19 Или како дожд од небото, во кој има темнини, громови и молњи, ги ставаат прстите во уштите од страв од смртта; Аллах ги опфаќа неверниците.
- 20 Молњата речиси им ги одзема очите; секогаш кога ќе им осветли, одат во неа, а кога ќе им се затемни, стојат; ако Аллах сакаше, ќе им го одземеше слухот и видот; навистина, Аллах е над сè моќен.
- ذَٰلِكَ الْكِتَابُ لَا رَيْبَ فِيهِ هُدًى لِّلْمُتَّقِينَ
الَّذِينَ يُؤْمِنُونَ بِالْغَيْبِ وَيُقِيمُونَ الصَّلَاةَ وَمِمَّا رَزَقْنَاهُمْ يُنْفِقُونَ
وَالَّذِينَ يُؤْمِنُونَ بِمَا أُنزِلَ إِلَيْكَ وَمِمَّا أُنزِلَ مِن قَبْلِكَ
وَالْآخِرَةَ هُم بَيِّقُونَ
أُولَٰئِكَ عَلَىٰ هُدًى مِّن رَّبِّهِمْ وَأُولَٰئِكَ هُم الْمَفْلُحُونَ
إِنَّ الَّذِينَ كَفَرُوا سَوَاءٌ عَلَيْهِمْ ءَأَنذَرْتَهُمْ أَمْ لَمْ تُنذِرْهُمْ لَا يُؤْمِنُونَ
خَتَمَ اللَّهُ عَلَىٰ قُلُوبِهِمْ وَعَلَىٰ سَمْعِهِمْ وَعَلَىٰ أَبْصَرِهِمْ غشوةٌ وَلَهُمْ عَذَابٌ عَظِيمٌ
وَمِنَ الَّذِينَ اسْمَنُ يَقُولُ ءَأَمَدًا بِأَلْمِمْ وَيَالْيَوْمِ الْآخِرِ وَمَا هُم بِمُؤْمِنِينَ
يُخَدَعُونَ أَلْمِمْ ءِ وَالَّذِينَ ءَامَنُوا وَمَا يُخَدَعُونَ إِلَّا أَنفُسَهُمْ وَمَا يَشْعُرُونَ
فِي قُلُوبِهِمْ مَرَضٌ فَزَادَهُمُ اللَّهُ مَرَضًا وَلَهُمْ عَذَابٌ أَلِيمٌ
بِمَا كَانُوا يَكْذِبُونَ
وَإِذَا قِيلَ لَهُمْ لَا تُفْسِدُوا فِي الْأَرْضِ قَالُوا إِنَّمَا نَحْنُ مُصْلِحُونَ
إِلَّا إِنَّمَا هُمُ الْمُفْسِدُونَ وَلَكِن لَّا يَشْعُرُونَ
وَإِذَا قِيلَ لَهُمْ ءَامِنُوا كَمَا ءَامَنَ الَّذِينَ ءَامَنُوا قَالُوا إِنَّا نؤمنُ كَمَا ءَامَنَ السُّفَهَاءُ ءِلَّا إِنَّمَا هُمُ السُّفَهَاءُ وَلَكِن لَّا يَعْلَمُونَ
وَإِذَا لَقُوا الَّذِينَ ءَامَنُوا قَالُوا ءَامَدًا وَإِذَا خَلَوْا إِلَىٰ شَيْطَانِهِمْ قَالُوا إِنَّمَا مَعَكُمْ ءِنَّمَا نَحْنُ مُسْتَهْزِءُونَ
أَلْمِمْ يَسْتَهْزِءُ بِهِمْ وَيَمُدُّهُمْ فِي طُغْيَانِهِمْ يَعْمَهُونَ
أُولَٰئِكَ الَّذِينَ اشْتَرَوُا الضَّلْمَةَ بِالْهُدَىٰ فَمَا رَبِحَت تَّجْرَتُهُمْ وَمَا كَانُوا مُهْتَدِينَ
مِثْلُهُمْ كَمِثْلِ الَّذِينَ سَتَوْقِدَ نَارًا فِيمَا ءَصْيَاءُ بِت مَا جَوْلَهُ دَهَبُ أَلْمِمْ بِنُورِهِمْ وَتَرَكَّهُمْ فِي ظُلْمَتٍ لَّا يَبْصُرُونَ
صُمٌّ بُكْمٌ عُمَىٰ فَهُمْ لَا يَرْجِعُونَ
أَوْ كَصَيْدٍ بِي مِّنَ السَّمَاءِ فِيهِ ظُلْمَتٌ وَرَعْدٌ وَبَرْقٌ يُجْعَلُونَ أَصْغَبَهُمْ فِي ءَأَذَانِهِمْ مِّنَ الضَّرْعِ وَعِيقُ خِزْرِ الْمَوْتِ وَاللَّهُ مَحِيطٌ بِالْكَافِرِينَ
يَكَادُ الْبَرْقُ يَخْطَفُ أَبْصَرَهُمْ كُلَّمَا أَضَاءُ لَهُمْ مَشْوًا فِيهِ وَإِذَا أَظْلَمَ عَلَيْهِمْ قَامُوا وَلَوْ شَاءَ اللَّهُ لَذَهَبَ بِسَمْعِهِمْ وَأَبْصَرِهِمْ ءِنَّمَا اللَّهُ عَلَىٰ كُلِّ شَيْءٍ قَدِيرٌ

- يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا رَّبُّكُمْ الَّذِي خَلَقَكُمْ وَلَا ذِينَ مِنْ قَبْلِكُمْ لَعَلَّكُمْ تَتَّقُونَ 21 О луѓе, обожувајте го вашиот Господар, кој ве создаде вас и оние пред вас, за да станете богобожазливи.
- الَّذِي جَعَلَ لَكُمْ الْأَرْضَ فِرْشًا وَالسَّمَاءَ بِنَاءً وَأَنْزَلَ مِنَ السَّمَاءِ مَاءً فَأَخْرَجَ بِهِ مِنَ الْبُحْرِ رِزْقًا لَكُمْ فَلَا تَجْعَلُوا لِلَّهِ أَنْدَادًا وَأَنْتُمْ تَعْلَمُونَ 22 Кој ја направи земјата постела за вас и небото покривка и спушти вода од небото, па со неа изнесе плодови за ваша храна; не правете му на Аллах рамни, а вие знаете.
- وَإِنْ كُنْتُمْ فِي رَيْبٍ مِمَّا نَزَّلْنَا عَلَىٰ عَبْدِنَا فَأْتُوا بِسُورَةٍ مِثْلِهِ وَادْعُوا شُهَدَاءَكُمْ مِنْ دُونِ اللَّهِ إِنْ كُنْتُمْ صَادِقِينَ 23 Ако сте во сомнеж за она што му го објавивме на нашиот слуга, донесете една сура слична на неа и повикајте ги вашите сведоци покрај Аллах, ако сте вистинити.
- فَإِنْ لَمْ يَفْعَلُوا وَلَنْ يَفْعَلُوا فَاتَّقُوا اللَّهَ الَّذِي تَخْشَوْنَ وَالْحِجْرَةَ أَعَدَّ لِلْكَافِرِينَ 24 Ако не го направите тоа, а никогаш нема да го направите, плашете се од огнот, чија горива се луѓето и камењата, подготвен за неверниците.
- وَبَشِّرِ الَّذِينَ آمَنُوا وَعَمِلُوا الصَّالِحَاتِ أَنَّ لَهُمْ جَنَّاتٍ تَجْرِي مِنْ تَحْتِهَا الْأَنْهَارُ كُلَّمَا رُزِقُوا مِنْهَا مِنْ ثَمَرَةٍ رُزِقُوا قَالُوا هَذَا الَّذِي رُزِقْنَا مِنْ قَبْلُ وَأَنْتُمْ بِهَا مُتَشَبِهُونَ وَلَهُمْ فِيهَا أَزْوَاجٌ مُطَهَّرَةٌ وَهُمْ فِيهَا خَالِدُونَ 25 И обрадувај ги оние кои веруваат и прават добри дела дека за нив има градини под кои течат реки; секогаш кога ќе им се даде плод од нив, ќе речат: „Ова е она што ни беше дадено порано“; и ќе им се даде слично. За нив има чисти сопруги и тие ќе бидат вечно во нив.
- ﴿إِنَّ اللَّهَ لَا يَسْتَحْيِي أَنْ يَضْرِبَ مَثَلًا مِمَّا بَعْضُكُمْ فِيمَا فَعَلْتُمْ وَلَا يُغْنِي عَنْكُمْ فِيمَا كَانُوا يَعْمَلُونَ﴾ 26 Навистина, Аллах не се срами да даде пример, било тоа комарец или нешто поголемо; оние кои веруваат знаат дека тоа е вистината од нивниот Господар, а оние кои не веруваат велат: „Што сакаше Аллах со овој пример?“ Со него многумина ги води во заблуда и многумина ги упатува; но никогу не води во заблуда освен фасици.
- الَّذِينَ يَنْقُضُونَ عَهْدَ اللَّهِ مِنْ بَعْدِ مِيثَاقِهِ وَيَقْطَعُونَ مَا أَمَرَ اللَّهُ بِهِ أَنْ يُوصَلَ وَيُفْسِدُونَ فِي الْأَرْضِ أُولَٰئِكَ هُمُ الْخٰسِرُونَ 27 Оние кои го кршат заветот на Аллах по неговото потпишување и го прекинуваат она што Аллах нареди да се поврзе, и прават наред на земјата; тие се губитниците.
- كَيْفَ يَكْفُرُونَ بِاللَّهِ وَكُنْتُمْ أَمْوَاتًا فَأَحْيَاكُمْ ثُمَّ يُمِيتُكُمْ ثُمَّ يُحْيِيكُمْ ثُمَّ إِلَيْهِ تُرْجَعُونَ 28 Како можете да не верувате во Аллах, кога бевте мртви, а Тој ве оживеа; потоа ќе ве умре, потоа ќе ве оживее, и потоа ќе му се вратите.
- هُوَ الَّذِي خَلَقَ لَكُمْ مِنْ فِي الْأَرْضِ جَمِيعًا ثُمَّ اسْتَوَىٰ إِلَى السَّمَاءِ فَسَوَّاهُنَّ سَبْعَ سَمَاوَاتٍ وَهُوَ بِكُلِّ شَيْءٍ عَلِيمٌ 29 Тој е кој создаде за вас сè што е на земјата, потоа се сврте кон небото и ги уреди во седум неба; и Тој знае сè.
- وَإِذْ قَالَ رَبُّكَ لِلْمَلٰئِكَةِ اِذْ يَخْلُقُ فِي الْاَرْضِ جَمِيعًا ثُمَّ اسْتَوٰى ۗ اِلَى السَّمَاءِ فَسَوَّاهُنَّ سَبْعَ سَمَاوٰتٍ وَهُوَ بِكُلِّ شَيْءٍ عَلِيمٌ 30 Кога твојот Господар им рече на ангелите: „Јас ќе поставам наместник на земјата“, тие рекоа: „Дали ќе поставиш на неа оној кој ќе прави наред и ќе пролева крв, а ние Те славиме со Твојата фалба и Те светиме?“ Тој рече: „Јас знам што вие не знаете“.
- وَعَلَّمَ آدَمَ الْأَسْمَاءَ كُلَّهَا ثُمَّ عَرَضَهُمْ عَلَى الْمَلٰئِكَةِ فَقَالَ أَنْبِئُونِي بِأَسْمَاءِ هٰؤُلَاءِ إِنْ كُنْتُمْ صٰدِقِينَ 31 И го научи Адам на имињата на сите нешта, потоа им ги покажа на ангелите и рече: „Кажете ми ги имињата на овие, ако сте вистинити“.
- قَالُوا سُبْحٰنَكَ لَا عِلْمَ لَنَا بِهٰذَا مَا عَلَّمْتَنَا إِنَّكَ أَنْتَ الْعَلِيمُ الْحَكِيمُ 32 Тие рекоа: „Слава Тебе, ние немаме знаење освен она што нè научи; навистина, Ти си Знајниот, Мудриот“.
- قَالَ يٰٓأٰدَمُ اٰنْبِئْهُمْ بِأَسْمَائِهِمْ ۗ فَلَمَّ اٰنْبٰٓءَهُمْ بِأَسْمَائِهِمْ قَالَ اَلَمْ اَقُلْ لَكُمْ اِذْ يٰٓ اَعْلَمُ غَيْبِ السَّمٰوٰتِ وَالْاَرْضِ وَعِلْمَ مَا تُبْدُونَ وَمَا كُنْتُمْ تَكْتُمُونَ 33 Тој рече: „О Адам, кажи им ги имињата на овие“; и кога им ги кажа имињата, Тој рече: „Не ви реков ли дека Јас ги знам тајните на небесата и земјата и знам што откривате и што криете?“

- وَإِذْ قُلْنَا لِلْمَلَائِكَةِ اسْجُدُوا لِآدَمَ فَسَجَدُوا إِلَّا إِبْلِيسَ أَبَى
وَاسْتَكْبَرَ وَكَانَ مِنَ الْكَافِرِينَ 34 И кога им рековме на ангелите:
„Поклонете му се на Адам“, тие му се
поклонија, освен Иблис, кој одби, се
возгордеа и беше од неверниците.
- وَقُلْنَا يَا آدَمُ اسْكُنْ أَهْلَكَ الْجَنَّةَ وَزَوْجُكَ الْحَاضِرَةَ وَكُلَا مِنْهَا رَغَدًا
حَيْثُ شِئْتُمَا وَلَا تَقْرَبَا هَذِهِ الشَّجَرَةَ فَتَكُونَا مِنَ
الظَّالِمِينَ 35 И рековме: „О Адам, живеј ти и твојата
сопруга во рајот и јадете од него
изобилно каде што сакате, но не
приближувајте се до ова дрво, за да не
станете од неправедните“.
- فَأَزَلَّهُمَا الشَّيْطَانُ عَنْهَا فَأَخْرَجَهُمَا مِمَّا كَانَا فِيهِ وَقُلْنَا
أَهْبِطُوا بَعْضُكُمْ لِبَعْضٍ عَدُوٌّ وَلَكُمْ فِي الْأَرْضِ مُسْتَقَرٌّ
وَمَتَعٌ إِلَى حِينٍ 36 Но, шејтанот ги наведе да згрешат и ги
извади од состојбата во која беа; и
рековме: „Слезете, едни на други ќе си
бидете непријатели; и за вас на земјата
има престој и уживање до одредено
време“.
- فَتَلَوَّى بِآدَمَ مِنَ رَبِّهِ كَلِمَتٍ فَلَبَّأَ عَلَيْهِ إِذْ هُوَ
الذَّنُّ وَابْنُ الرَّحِيمِ 37 Потоа Адам прими зборови од својот
Господар, па Тој му прости; навистина,
Тој е Примателот на покајанието,
Милостивиот.
- قُلْنَا أَهْبِطُوا مِنْهَا جَمِيعًا فَإِمَّا يَأْتِيَنَّكُمْ مِنْ بَنِي هَادٍ فَمَنْ
تَبَعَ هَدَاهِي فَلَا خَوْفَ عَلَيْهِمْ وَلَا هُمْ يَحْزَنُونَ 38 Рековме: „Слезете од неа сите; и ако ви
дојде упатство од Мене, тогаш оние кои
го следат Моето упатство, нема да
имаат страв и нема да тагуваат“.
- وَالَّذِينَ كَفَرُوا وَكَذَّبُوا بِآيَاتِنَا أُولَٰئِكَ أَصْحَابُ الْأَرْضِ
الْحَرَامَةِ فِيهَا يُخَلِّدُونَ 39 А оние кои не веруваат и ги негираат
Нашите знаци, тие се жителите на
огнот; тие ќе бидат вечно во него.
- يَبْنِي إِسْرَائِيلَ إِذْ كُرُوا لِعِمَّتِي إِلَّا تِيَّ أَنْعَمْتُ عَلَيْكُمْ
وَأَوْفُوا بِعَهْدِي أَوْفٍ بِعَهْدِكُمْ وَإِيَّايَ فَارْهَبُونِ 40 О синови на Израел, сетете се на Мојата
благодат што ви ја дарувам и исполнете
го Мојот завет, за да го исполнам
вашиот завет и само Мене бојте се.
- وَأَمِنُوا بِمَا آتَيْنَا مُصَدِّقًا لِمَا مَعَكُمْ وَلَا تَكُونُوا أُولَٰ
كَافِرٍ بِهِمْ وَلَا تَشْتَرُوا بِآيَاتِي ثَمَنًا قَلِيلًا وَإِيَّايَ فَاتَّقُونِ 41 И верувајте во она што го објавив,
потврдувајќи го она што е со вас, и не
бидете први кои не веруваат во него, и
не купувајте ги Моите знаци за мала
цена, и само Мене бојте се.
- وَلَا تَلْسِئُوا اللَّهَ بِالْبَطْلِ وَتَكْتُمُوا الْحَقَّ وَأَنْتُمْ
تَعْلَمُونَ 42 И не мешајте ја вистината со лагата и
не ја кријте вистината, а вие знаете.
- وَأَقِيمُوا الصَّلَاةَ وَآتُوا الزَّكَاةَ وَارْكَعُوا مَعَ الرَّاكِعِينَ 43 И извршувајте ги молитвите, и давајте
милостина, и поклонувајте се со оние
кои се поклонуваат.
- ﴿إِنَّمَا أُمُورُنَّ أَلْيَسُ بِالْأَبْرَارِ﴾ وَتَسْوَنَ أَنْفُسَكُمْ وَأَنْتُمْ
تَتْلُونَ الْكِتَابَ أَفَلَا تَعْقِلُونَ 44 □ Дали им наредувате на луѓето
добрина, а се заборавете себеси, иако ја
читате Книгата? Зарем не
размислувате?
- وَأَسْتَعِينُوا بِالصَّبْرِ وَالصَّلَاةِ وَإِنَّهَا لَكَبِيرَةٌ إِلَّا عَلَى
الْمُخْشِعِينَ 45 И барајте помош преку трпение и
молитва. Навистина, тоа е тешко, освен за
смирнените.
- أَلَّذِينَ يَظُنُّونَ أَنَّهُمْ مُلَاقُوا رَبِّهِمْ وَأَنَّهُمْ إِلَيْهِ رَاجِعُونَ 46 Оние кои веруваат дека ќе се сретнат со
својот Господ и дека ќе се вратат кај
Него.
- يَبْنِي إِسْرَائِيلَ إِذْ كُرُوا لِعِمَّتِي إِلَّا تِيَّ أَنْعَمْتُ عَلَيْكُمْ
وَأَذِي فِضْلِكُمْ عَلَى الْعَالَمِينَ 47 О синови на Израел, сетете се на Мојата
благодат која ви ја дадов и дека ве
претпочитав над световите.
- وَأَذِي قَوْلًا يَوْمًا لَا يُجْزِي نَفْسٌ عَيْنَ ذَنْبٍ شَيْئًا وَلَا يَقْبَلُ
مِنْهَا شَفَعَةً وَلَا يُؤْخَذُ مِنْهَا عَدْلٌ وَلَا هُمْ يَنْصُرُونَ 48 И плашете се од денот кога никој нема
да може да плати за друг, ниту ќе биде
прифатено застапување од него, ниту
ќе биде земен откуп, ниту ќе им биде
помогнато.
- وَإِذْ نَجَّيْنَكُمْ مِنْ آلِ فِرْعَوْنَ يَسُومُونَكُمْ سُوءَ الْعَذَابِ
يُذَبِّحُونَ أَبْنَاءَكُمْ وَيَسْتَحْيُونَ نِسَاءَكُمْ وَفِي ذَلِكُمْ بَلَاءٌ
مَنْ رَّبِّكُمْ عَظِيمٌ 49 И кога ве спасивме од народот на
Фараонот, кој ве мачеше со најлоша
мака, убивајќи ги вашите синови и
оставајќи ги вашите жени живи. Во тоа
имаше големо искушение од вашиот
Господ.
- وَإِذْ فَرَقْنَا بِكُمْ الْبَحْرَ فَأَنْجَيْنَكُمْ وَأَغْرَقْنَا آلَ فِرْعَوْنَ
وَأَنْتُمْ تَنْظُرُونَ 50 И кога го разделивме морето за вас, ве
спасивме и го потопивме народот на
Фараонот пред вашите очи.

وَإِذْ وَعَدْنَا مُوسَىٰ أَرْبَعِينَ لَيْلَةً ثُمَّ آتَاهُمُ الْعِجْلَ مِنْ
بَعْدِهِمْ وَأَنْتُمْ ظَالِمُونَ

51 И кога му ветивме на Муса четириесет
ноќи, а вие го зедовте телето по него и
бевте неправедни.

ثُمَّ عَفَوْنَا عَنْكُمْ مَنْ بَعْدَ ذَلِكَ لَعَلَّكُمْ تَشْكُرُونَ

52 Потоа ве простивме по тоа, за да бидете
благодарни.

وَإِذْ آتَيْنَا مُوسَىَ الْكِتَابَ وَالْفُرْقَانَ لَعَلَّكُمْ تَهْتَدُونَ

53 И кога му дадовме на Муса Книгата и
разликувањето, за да бидете упатени.

وَإِذْ قَالَ مُوسَىٰ لِقَوْمِهِ يُقَوْمِ إِذْكُمْ ظَلَمْتُمْ أَنْفُسَكُمْ
بِاتِّخَاذِكُمُ الْعِجْلَ فَتُوبُوا إِلَىٰ بَارئِكُمْ فَاقْتُلُوا أَنْفُسَكُمْ
ذَٰلِكُمْ خَيْرٌ لَّكُمْ عِنْدَ بَارئِكُمْ فَتَابَ عَلَيْكُمْ إِذْ هُوَ
الَّذِي ابْنَىٰ بَنِي إِسْرَائِيلَ

54 И кога Муса му рече на својот народ: "О
народе мој, навистина сте се огрешиле
себеси со тоа што го зедовте телето,
затоа покајте се пред вашиот Создател
и убијте се себеси. Тоа е подобро за вас
пред вашиот Создател." Потоа Тој ве
прости. Навистина, Тој е Оној кој прима
покајание, Милостивиот.

وَإِذْ قُلْتُمْ يَا مُوسَىٰ لَنْ نُبْرَأَ بِكَ حَتَّىٰ نَرَىٰ آيَةً مِنْ رَبِّكَ
فَأَخَذْتُمُ الْعَصَىٰ وَأَنْتُمْ تَنْظُرُونَ

55 И кога рековте: "О Муса, нема да ти
веруваме додека не го видиме Аллаx
јавно." Тогаш ве погоди громот додека
гледавте.

ثُمَّ بَعَثْنَا مَنْ مِنْ بَعْدِ مُوسَىٰ لَعَلَّكُمْ تَشْكُرُونَ

56 Потоа ве воскреснавме по вашата смрт,
за да бидете благодарни.

وَمَا ظَلَمْنَا عَلَيْكُمُ اللَّعْمَامَ وَأَنْزَلْنَا عَلَيْكُمُ الْمِنَّ وَالسَّلْوَٰةَ
كُلُّوْا مِنْ طَيِّبَاتِ مَا رَزَقْنَاكُمْ وَمَا ظَلَمْنَا وَلَكِنْ كَانُوا
أَنْفُسَهُمْ يَظْلِمُونَ

57 И кога ве покривме со облак и ви
испративме манна и препелици: "Јадете
од добрите работи кои ви ги дадовме."
И не ни направија неправда, туку си
направија неправда себеси.

وَإِذْ قُلْنَا ادْخُلُوا هَذِهِ الْبَلَدَ فَكُلُوا مِنْهَا حَيْثُ شِئْتُمْ مِنْ
عِندِ الْبَابِ سَجْدًا وَقُولُوا حِطَّةٌ نَغْفِرْ لَكُمْ خَطِيئَتَكُمْ
وَسَنَزِيدُ الْمُحْسِنِينَ

58 И кога рековме: "Влезете во овој град и
јадете од него каде што сакате
изобилно, и влезете на вратата
поклонувајќи се и кажете:
"Простување." Ке ви ги простиме
вашите гревови и ќе ги зголемиме
наградите на добрите.

فَبَدَّلَ الَّذِينَ ظَلَمُوا قَوْلًا غَيْرَ الَّذِي قِيلَ لَهُمْ فَأَنْزَلْنَا
عَلَيْهِمُ الْمَاءَ الْغَٰثِرَ وَأَنْزَلْنَا مِنْ سَمَاءٍ آخَرَ مَاءً كَالظَّلْمِ
يَسْفُونَ

59 Но, оние кои беа неправедни го
заменија зборот со друг што не им беше
кажан, па испративме казна од небото
врз оние кои беа неправедни заради
нивната непослушност.

وَإِذْ اسْتَسْقَىٰ مُوسَىٰ لِقَوْمِهِ فَقُلْنَا اضْرِبْ بِعَصَاكَ
الْحَجَرَ فَانفَجَرْتُمْ مِنْهُ أَنْهَارَ الْعِيسَىٰ يُسْمَرُونَ بِهَا وَأَنْزَلْنَا
مِنْ سَمَاءٍ آخَرَ مَاءً كَالظَّلْمِ يَسْفُونَ

60 □ И кога Муса побара вода за својот
народ, рековме: "Удри со твојот стап по
каменот." Тогаш од него избија
дванаесет извори. Секој народ го
знаеше своето место за пиење. "Јадете и
пијте од даровите на Аллаx и не
правете зло на земјата, праведјќи неред."

وَإِذْ قُلْتُمْ يَا مُوسَىٰ لَنْ نَصْبِرَ عَلَىٰ طَعَامٍ وَحْدًا فَقَدِ
رَبُّكَ يُخْرِجُ لَنَا مِمَّا تُنْبِتُ الْآرِثَ مِنْ بَقْلِهَا وَقِثَّائِهَا
وَفُومِهَا وَعَدَسِيهَا وَبَصِلَهَا قَالَ أَسْتِيدِلُّونَ الْآدِي هُوَ آدِي
بِالَّذِي هُوَ خَيْرٌ لِمِصْرًا فَإِنَّ لَكُمْ مِنْهَا لَمَا سَأَلْتُمْ
وَضُرِبَتْ عَلَيْهِمُ الذُّكُورُ وَالْمِصْكَنَةُ وَأَبَاءُ وَيَضُوبٌ مِنْ
الَّذِي بَدَأَ بِهِمْ فَأَبَوْا أَنْ يُخْفِرُوا فِي آيَاتِ اللَّهِ وَيَقْتُلُونَ
الَّذِينَ بَدَأُوا بِالْحَقِّ وَكَانُوا يَعْتَدُونَ

61 И кога рековте: "О Муса, нема да трпиме
само една храна, затоа моли го твојот
Господ за нас да ни даде од она што
земјата го произведува: зеленчук,
краставици, лук, лека и кромид." Тој
рече: "Дали сакате да го замените
подоброто со полошото? Одете во некој
град, таму ќе го најдете она што го
барате." И беа погодени со понижување
и беда и се вратија со гнев од Аллаx.
Тоа беше затоа што не веруваа во
знаците на Аллаx и ги убиваа пророците
неправедно. Тоа беше затоа што беа
непослушни и престапници.

إِنَّ الَّذِينَ آمَنُوا وَالَّذِينَ هَادُوا وَالْبَصْرِيَّةَ وَالصَّٰدِقِينَ
مِنْ بَنِي إِسْرَائِيلَ وَالَّذِينَ آمَنُوا بِاللَّهِ وَالْيَوْمِ الْآخِرِ وَعَمِلُوا صَالِحًا فَلَهُمْ
أَجْرُهُمْ عِنْدَ رَبِّهِمْ وَلَا خَوْفٌ عَلَيْهِمْ وَلَا هُمْ يَحْزَنُونَ

62 Навистина, оние кои веруваат, и оние
кои се Евреи, и Христијаните, и
Сабејците, секој кој верува во Аллаx и во
Последниот ден и прави добри дела, ќе
имаат своја награда кај својот Господ и
нема да имаат страв, ниту ќе тагуваат.